GraphicEra
UNIVERSITY
University under section 3 of UGC act, 1956

कभी अलविदा न कहना...

देहरादून, 23 मई। ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय में शुकवार की शाम बहुत सी आंखें भर आईं। अजब माहौल था, कोई नाच रहा था, किसी के गाने पर तालियां गूंज रही थी और किसी का दिल भर आया। आवाज रूंध रही थी। ये मौका था विदाई समाराह का। विश्वविद्यालय में अपने आखिरी दिन बहुत से छात्र–छात्राएं एक दूसरे को अलविदा कहते हुए भावुक हो उठे।

ग्राफिक एरा में आज की शाम विदाई पार्टियों के नाम रही। विश्वविद्यालय में इलैक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन, कम्प्यूटर साईंस, आई.टी., मैकेनिकल, सिविल, इलैक्ट्रीकल और ऑटोमोबाईल इंजीनियरिंग विभागों के विदाई समारोह हुए। इन समारोहों में छात्र–छात्राओं ने अंतिम वर्ष वालों को नृत्य और गीतों के साथ विदाई दी। इस दौरान कई रोचक प्रतियोगिताएं भी हुईं।

समारोह में पास आउट होने वाले छात्र–छात्राओं को पर्ची निकाल कर मनोरंजक टास्क दी गईं। किसी को पर्ची में लिखे गाने पर नाचना था, किसी को गाने के बोल देकर पूरा गाना सुनाने का टास्क मिला। कई सीनियर छात्र–छात्राओं को कैटवॉक करने का मौका मिला। किसी को शायरी सुनानी थी तो किसी के हिस्से में जोक्स आये। करीब तीन घण्टे चले इन कार्यकमों के बाद बारी आई फोटो खिंचवाने की। अपने साथियों के साथ गुजरे लम्हों और विश्वविद्यालय की यादों को हमेशा के लिये संजोने की ख्वाहिश में छात्र–छात्राएं कई घण्टे कैमरे और मोबाइल पर क्लिक करते नजर आये। कोई अलविदा होने के एहसास से क्लिक के वक्त भी आंसू नहीं रोक पा रहा था, किसी को विश्वविद्यालय से सीधे नौकरी पर जाने की खुशी के साथ अनजाने लोगों के बीच काम करने और रहने की फिक साल रही थी।

विश्वविद्यालय में अंतिम वर्ष के छात्र–छात्राओं की विदाई के साथ ही सुनहरे भविष्य के ख्वाब लेकर नये छात्र–छात्राओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। विभिन्न पाठ्यकमों में दाखिले के लिये रजिस्ट्रेशन शुरू हो गये हैं।

समारोह में विभागाध्यक्षों डा. अनामिका भाटिया, प्रो. पी. ठाकुर, प्रो आमिर शेख, प्रो. के. के. गुप्ता, प्रो. डी. बोर्डलाई भी शामिल हुए।

सुभाष गुप्ता
9412998711